This question paper contains **8+2** printed pages]

आपका अनुक्रमांक..........................

2705

B.A. (Programme)/II **D-I**

HINDI DISCIPLINE—Paper II

हिंदी अनुशासन—प्रश्नपत्र II

(हिंदी गद्य विधाएँ, उपन्यास और हिंदी गद्य साहित्य का परिचयात्मक इतिहास)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 12×2

(क) जो करुणा हमें साधारण जनों के वास्तविक दु:ख के परिज्ञान से होती है, वही करुणा हमें प्रियजनों के सुख के अनिश्चय

मात्र से होती है । साधारण जनों का तो हमें दुःख असह्य होता है, पर प्रियजनों के सुख का अनिश्चय ही । अनिश्चय बात पर सुखी या दुःखी होना ज्ञानवादियों के निकट अज्ञान है, इसी से इस प्रकार के दुःख या करुणा को किसी-किसी प्रांतिक भाषा में 'मोह' भी कहते हैं ।

अथवा

दूसरे की दुर्बलता के प्रति मनुष्य का ऐसा स्वाभाविक आकर्षण है कि वह सच्चरित्र की त्रुटियों के लिए दुश्चरित्र को भी प्रमाण मान लेता है । चोर ईमानदारी का उपयोग नहीं जानता, झूठा सत्य के प्रयोग से अनभिज्ञ रहता है । किसी गुण से अनभिज्ञ या उसके संबंध में अनास्थावान मनुष्य यदि उस विशेषता से युक्त व्यक्ति का विश्वास न करे, तो स्वाभाविक है, पर उसकी भ्रांत धारणा भी प्रायः समाज में प्रमाण मान ली जाती है क्योंकि मनुष्य किसी को दोष-रहित नहीं स्वीकार करना चाहता ।

(ख) शिष्ट समाज में आमदनी-खर्च की बात करना अशोभन और कुरुचिपूर्ण समझा जाता है, पर मध्यवर्ग का जीवन, व्यवहार, आदर्श, मूल्य, नैतिकता–सब अर्थाधारित हैं, अर्थ परिचालित हैं, इसलिए अशिष्ट बनने का खतरा उठाकर भी मुझे कुछ अपनी आर्थिक स्थिति का चर्चा करनी होगी । उस पर मौन रहूँ तो मुझे जीवन के भी बहुत से प्रसंगों पर मौन रहना होगा । ईमानदारी के मूल्य पर औपचारिक शिष्टता मुझे स्वीकार नहीं ।

अथवा

हिन्दुस्तान बार-बार इसलिए गुलाम होता गया कि कोई किसी की मदद नहीं करता था, मगर आज तो वह बात नहीं । यह अकाल जो गुलामी है, जो एक भीषण आक्रमण है, उसे हमें आस्तीन के साँप की तरह कुचल-कर खत्म

कर देना होगा । आज यदि हमें लज्जा हो सकती है तो यही कि हमारी भूमि में ऐसे लोग हैं, जिन्होंने हमें इस दशा पर मजबूर किया है, किंतु मैं पूछता हूँ कि क्या आपके यहाँ ऐसे नर-पिशाच नहीं हैं ?

2. (क) किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×5=20

(*i*) 'मजदूरी और प्रेम' निबंध में लेखक ने किसे ईश्वर-पूजा माना है और क्यों ?

(*ii*) शिद्धिरगंज के अकाल के पश्चात् हुई दवा-वितरण संबंधी गड़बड़ियों पर प्रकाश डालिए ।

(*iii*) भोलाराम का जीव कहाँ और क्यों अटका हुआ था ?

(*iv*) 'ठाकुर का कुँआ' के आधार पर गंगी के साथ हुए अन्याय को स्पष्ट कीजिए ।

(*v*) 'सामाजिक गली-सड़ी रूढ़ियाँ बिबिया के दुःखों का कारण रहीं' प्रस्तुत कथन के आधार पर अपना मत व्यक्त कीजिए ।

(*vi*) बुधिया के चरित्र की किन्हीं **चार** विशेषताओं को बताइए ।

(*vii*) 'करुणा' निबंध का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

(*viii*) 'मनुष्य की जीवनी-शक्ति बड़ी निर्मम है, वह सभ्यता और संस्कृति के वृथा मोहों को रौंदती चली आ रही है ।' 'अशोक के फूल' के संदर्भ में इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ख) किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×2=8

(*i*) गजाधर बाबू के साथ जाने के लिए पत्नी ने मना क्यों किया ?

(*ii*) 'कामना-सहित होकर भी मजदूरी निष्काम होती है' – 'मजदूरी और प्रेम' निबंध के संदर्भ में उपर्युक्त पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(*iii*) 'अशोक के फूल' निबंध के माध्यम से लेखक क्या संदेश देना चाहता है ?

(*iv*) भोलाराम का जीव स्वर्ग क्यों नहीं जाना चाहता ?

(*v*) 'सूखी डाली' के आधार पर दादाजी के चरित्र की किन्हीं **तीन** विशेषताओं को बताइए ।

(*vi*) डॉ. कुंटे कौन थे ?

(*vii*) 'वापसी' कहानी 'वृद्ध समाज की उपेक्षा का मार्मिक चित्रण है ।' स्पष्ट कीजिए ।

3. किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 12

(i) जब तक हम स्त्री–पुरुषों को अबाध रूप से अपना–अपना मानसिक विकास न करने देंगे, हम अवनति की ओर खिसकते चले जाएंगे । बंधनों से समाज का पैर न बाँधिए, उसके गले में कैदों की जंज़ीर न डालिए । विधवा विवाह का प्रचार कीजिए, खूब जोरों से कीजिए, लेकिन यह बात मेरी समझ में नहीं आती कि जब कोई अधेड़ आदमी किसी युवती से ब्याह कर लेता है तो क्यों अखबारों में इतना कुहराम मच जाता है ।

(ii) जैसे एक शीतल, तीव्र बाण रतन के पैर से घुसकर सिर से निकल गया । मानों उसकी देह के सारे बंधन खुल गए, सारे अवयव बिखर गए, उसके मस्तिष्क के सारे परमाणु हवा में उड़ गए । मानों नीचे से धरती निकल गई, ऊपर से आकाश निकल गया और वह हवा में अब निराधार निस्पन्द, निर्जीव खड़ी है ।

(*iii*) 'इस सिलसिले में मुझे एक अमरीकन की बात याद आती है । वह कुछ महीनों यहाँ रहा था और देखने-सुनने के बाद बोला था कि हिन्दुस्तानी लोग बच्चों से प्रेम नहीं करते, उन्हें बच्चों से मोह होता है, अंधा मोह । सच कहता हूँ, तब मुझे बड़ा ताव आ गया था उस पर, पर बाद में सोचा, वह ठीक ही कहता था । एक आम हिन्दुस्तानी बच्चे की सही ढंग से परवरिश करना जानता ही नहीं । प्यार और देखभाल के नाम पर माँ-बाप ही अपने को इतना थोपे रहते हैं बच्चे पर कि कभी वह पूरी तरह पनप ही नहीं पाता ।'

(*iv*) अपनी हर समस्या, अपने हर बोझ को बड़े निर्द्वन्द्व भाव से डॉक्टर के कंधों पर डालकर निश्चिंत हो जाने वाली

शकुन के मन में एक कोना उभर आया था, जिसकी बात वहीं घुमड़ती रहती थी और शकुन थोड़ी-सी भयभीत रहती थी कि कहीं यहाँ की बात बाहर न जाए । साथ ही आशंकित भी कि कहीं यह कोना अपनी सीमा तोड़कर फैलना न शुरू कर दे और फिर फैलता ही चला जाए, फैलता ही चला जाए । वह जानती थी कि ये कोने जब होते हैं तो कितने पैने होते हैं ।

4. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 12

(*i*) 'गबन' उपन्यास की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए ।

(*ii*) 'गबन' की प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

(*iii*) 'आपका बंटी' उपन्यास के आधार पर स्त्री-पुरुष के पारिवारिक तनावपूर्ण संबंधों पर विचार कीजिए ।

(*iv*) 'आपका बंटी' उपन्यास में शकुन एक सशक्त नारी-पात्र के रूप में उभरी है– उदाहरण सहित बताइए ।

5. 'उपन्यास' **अथवा** 'कहानी' के विकास का परिचय दीजिए । 12

6. 'संस्मरण' **अथवा** 'एकांकी' की विकास यात्रा का रेखांकन कीजिए । 12